विराट संत सम्मेलन में मर्मज्ञ बोले-गीता सार्वभौमिक है, हर व्यक्ति को जीवन में धारण करना चाहिए

विश्व शांति व सद्भावना का मार्ग गीता में निहित

संवाद न्यूज एजेंसी

कुरुक्षेत्र। पुण्यांगना वृन्दा का विराट संत सम्मेलन हुआ। इसमें देशभर से आए संतों ने गीता पर संबोधन किया। इस दौरान संतों ने केवल गीतामय जीवन का संदेश दिया बल्कि युवाओं को मोबाइल व सोशल मीडिया से दूर रहने, विश्व शांति और सद्भावना का मार्ग निर्दिष्ट बताया। संतों ने कहा कि आज पूरी दुनिया उथल-पुथल है। कहीं देशों के बीच युद्ध हो रहे हैं तो कहीं आपसी मतभेदों की आंधी बनी हुई है। यहां तक कि व्यक्तिगत रूप से भी हर व्यक्ति तनाव की ओर बढ़ रहा है जिसका प्रमुख कारण भौतिकता बताया गया है। ऐसे हालात में पवित्र ग्रंथ गीता ही है जिसमें ऐसी हर समस्या को पार करने का मार्ग है।

भगवान श्रीकृष्ण ने भी युद्ध के समय ही प्रतीत का मार्ग प्रशस्त होता दिखाया था। आज हर व्यक्ति को गीता अपने जीवन में धारण करनी होगी तभी मनुष्य जीवन का आनंद लिया जा सकता है। सम्मेलन में मुख्य रूप से पूज्य श्री स्वामी शुद्धानंद महाराज, स्वामी सत्यानंद महाराज, साध्वी गंगा महाराजजी ने भी अपना संबोधन दिया।

कुरुक्षेत्र में आयोजित गीता महोत्सव में गोकुलधाम की प्रस्तुति देती कलाकार। सौरभ जायसवाल

सभ्यता से जीवन जीने की शिक्षा देती है गीता : स्वामी ज्ञानानंद

गीता महोत्सव में स्वामी ज्ञानानंद ने कहा कि गीता हमें देह, मन और बुद्धि से ऊपर उठकर सभ्यता से जीवन जीने की शिक्षा देती है जो वैश्विक संकट के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगाह किया कि हमें गीता के उपदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। जिससे वे अपने कर्तव्यों का पालन कर तो गीता के सार का समझ अनुभव हो। उन्होंने कहा कि एक दिवसीय को केवल पर्व के बीच गीता पाठ का आयोजन किया जाता जिसमें 21 हजार लगभग लोग शामिल पाठ करेंगे। कुल 11 बजे तक विराट एक साथ गीता का पाठ किया जाएगा।

गीता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत : भैया जी महाराज

पीपू जी महाराज ने कहा कि आज दुनिया जिस हालात में जी रही है उसे देखकर लगता है कि हमें गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाए जाने की जरूरत है। इसके लिए हम सभी को अपनी-अपनी स्तर पर कार्य करना होगा। जब गीता से हर कोई उठेगा तो समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाएंगी।

गीता में वीमारियों का इलाज तक संभव : शिव कुमार

विश्व कुरुक्षेत्र स्थानी ने कहा कि गीता जिसे पढ़ने का ही होता नहीं बल्कि उसे जीवन में धारण करना होगा। इसमें हर समस्या का समाधान है। यहां तक कि अनेक बीमारियां का इलाज गीता में है। विश्व भर में मानवता फिर रही है।

गीता महोत्सव में दिखी विभिन्न रागों की धुन

कुरुक्षेत्र। अध्यात्मवेत्ता के उट्टमचंद की अध्यक्षता, कलश एवं लोक संस्कृति का संगम रहा गया गीता महोत्सव स्तोत्रों व प्रसंग सभी की गुंज सुनाई दी जो कलि विभिन्न रागों के लोक संगीत व कला सभी को पूर्ण सुगंधी दी। विश्व कल्याण भी भाव लाया था जो सभी को रस सार भी बताती रही। संतों के सानिध्य में गीता महोत्सव में लोक राष्ट्रीय एकता-अखंडता एवं देशभक्ति का भी आयोजन किया गया।

शनिवार को छुट्टी का दिन होने से हजारों युवा भी बीच मौसम सुहानाना दृश्य के साथ संतों गरीबों की मंच मुद्रा से लेकर देर रात तक उमड़ी रही। वहीं बिजली की रोशन रोशनी में नाहर, कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन भी किया। साथ ही सांस्कारीक महाकाव्यों से अध्यात्मवेत्ता की पुरी किताब ही उजागर हो उठी। सोनम

कुरुक्षेत्र। गरुड़ध्वजा में गीता दिखाते पंजाब के कलाकार। सौरभ जायसवाल

गीता का संदेश जीवन का बनाता है बेहतर : मनोहर

कुरुक्षेत्र। केंद्रीय डॉक्टर गंगा मंत्री मनोहर लाल ने कहा, 2014 में जब पहली बार प्रधान मंत्री उपमुख्य सचिव की तौर पर मंत्रेत से ही हरियाणा अनेक कार्य करने लिए गए। इसके पश्चिम पश्चात मुख्यमंत्री बनने पर, विकास पर किये की घोषणा हुआ। इसके लिए पहले हो यहां अपने कार्यकर्ताओं से लेकर अन्य लोगों से भी लगाई लगाई गई।

श्री मिलकाना का कि गीता की दिखाए मार्ग पर चलकर ही हम समाज के लिए बेहतर लिखे ले सकते हैं और हुआ भी यही। गीता ने ही यह प्रेरणा दी कि हमें अपना कर्म करना चाहिए, फल की इच्छा नहीं। गीता महोत्सव में अमोघिन्द्र सिंह राठौर सम्मेलन में मनोहर लाल ने कहा कि यही एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी उपयोगिता कभी खत्म नहीं होती।

उन्होंने कहाने सुनाई हुए कहा कि कोई व्यक्ति एक अकेला में गाय सोड़कर गया है जिसमें वे सभी को इसके बारे में बताया, सबमें ये कहा कि अच्छी बात है, सही दूध भी सबको। कुछ दिन बाद उस गाय ने व्यक्ति गाय को वापस ले गया तो सबमें ने किए कहा भई है। ऐसा

गीता का संदेश जीवन को बनाता है बेहतर : मनोहर

बोले, वर्ष 2014 में गीता से प्रेरित होकर ही भारी विरोध के बीच लिए कई फैसले

सम्मेलन में संबोधित करते हुए केंद्रीय डॉक्टर मंत्री मनोहर लाल। सौरभ

कि अच्छी बात है कि हमें गीता उठाने जैसे कार्य नहीं करने पड़ेंगे। यही गीता महोत्सव में अमोघिन्द्र सिंह राठौर विधायिका रही होंगे पहले। हमें गंगी में बेहतर कार्य हुए लेख चाहिए।

उन्होंने कहाने कि कहा कि आज केवल के साथ-साथ राजनीतिक लोगों को भी गीता का गहन चिंतन करने की आवश्यकता है जिससे वे समाज को इसके बारे में बताया, सबमें ये कहा कि अच्छी बात है, सही दूध भी सबको। कुछ दिन बाद उस गाय को व्यक्ति गाय को वापस ले गया तो सबमें ने किए कहा भई है। ऐसा

उत्तराखंड के सरकारी स्कूलों में अनिवार्य किया गीता पाठ : धामी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बोले- गीता सही मार्ग दर्शन करती है

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पहिल ईश्वर गीता में कहा कि पहिल ईश्वर गीता में कहा कि हमें हर व्यक्ति को बताया है। हर मुश्किल समय में गीता ही सही मार्ग दर्शन करती है। हर व्यक्ति को जीवन में अपने जीवन में पालन करनी चाहिए। उत्तराखंड सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों में गीता पाठ अनिवार्य किया है और हर स्कूल में गीता पाठ करने के लिए समय निर्धारित किया गया है। हमें गीता सबको अपने जीवन में आचरित्रत होना चाहिए।

धामी ने कहा कि गीता में 700 श्लोकों व 18 अध्यायों का प्रावधान पुस्त है। यही गीता का मूल सन्देशहै है और यही गीता हमें सही मार्ग दर्शन करती है। अनिवार्य के पाठ्यक्रम वैज्ञानिक शोधन में भी शामिल है। वह सभी के लिए एक समान है। हमें गीता को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। गीता में कहा है कि जब-जब धर्म की हानि होगी तब-तब मैं धर्म की रक्षा के लिए जन्म लूंगा। गीता में कहा गया है कि हमें अपने कर्म करने चाहिए